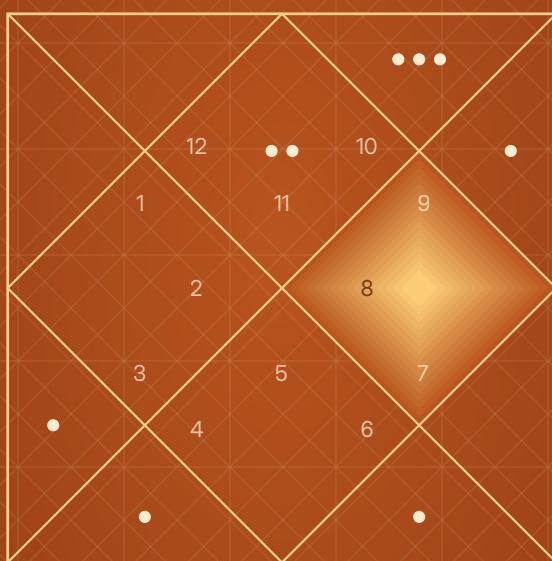


पंचांगबोध · वैदिक ज्योतिष

कर्म बोध

करियर रिपोर्ट



आपका दशम भाव · वृश्चिक · स्वामी मंगल

विशेष रूप से तैयार

अनीता शर्मा

12 मार्च 1990 · 06:40 · जयपुर, राजस्थान, भारत

लग्न: कुंभ · जन्म-समय: अस्पताल में दर्ज समय

दशमेश

मंगल

अमात्यकारक

सूर्य

सबसे प्रबल झुकाव

गुरु-प्रधान काम

तैयार: 23 अक्टूबर 2026

यह रिपोर्ट वैदिक ज्योतिष के शास्त्रीय एवं आधुनिक सिद्धांतों पर आधारित गणनात्मक विश्लेषण है। यह प्रवृत्तियों और संभावनाओं का संकेत देती है; किसी परिणाम (नौकरी, चयन, बीज़ा, लाभ) की गारंटी नहीं देती। यह करियर परामर्श, वित्तीय, चिकित्सकीय या विधिक सलाह का विकल्प नहीं है। रत्न किसी योग्य ज्योतिषी से परामर्श के बाद ही धारण करें। निर्णय अपने विवेक से लें।

विषय-सूची

यह रिपोर्ट कैसे पढ़ें.....	5
आपका करियर एक नज़र में	
1 करियर का सार.....	7
पूरी रिपोर्ट एक पृष्ठ पर: सूचकांक, मार्ग, काम के प्रकार और अगले कदम	
जन्मकुंडली की नींव	
2 तीन दृष्टियों से दशम भाव	8
लग्न, चंद्र और सूर्य से पढ़ा गया आपका दशम भाव	
3 दशम भाव एवं दशमेश	11
कर्म भाव: उसकी राशि, उसका स्वामी और स्वामी की स्थिति	
4 कर्माजीव: आपका आजीविका ग्रह	13
वह ग्रह जिसे वराहमिहिर आजीविका का स्रोत मानते हैं	
5 अर्थ त्रिकोण: द्वितीय, षष्ठ, दशम और एकादश भाव	14
अर्जन के भाव आपस में कैसे जुड़ते हैं	
दशमांश	
6 दशमांश चक्र एवं दशमांश लग्न	16
दशमांश, और वह जन्म-कुंडली के वचन को कितना निभाता है	
7 दशमांश के दस दिक्पाल देवता	18
वे दिक्पाल देवता जो आपके काम को उसका स्वभाव देते हैं	
8 जन्म-कुंडली और दशमांश का सामंजस्य	20
ग्रह-दर-ग्रह: दशमांश क्या पुष्ट करता है, क्या बदलता है	
जैमिनी परत	
9 आत्मकारक, अमात्यकारक एवं कारकांश	22
जैमिनी का कर्म-मंत्री और आत्मा का अपना आसन	
10 दशम आरूढ़: आपके काम की सार्वजनिक छवि	24
संसार आपके काम को किस रूप में देखता है	
नाड़ी, योग एवं बल	
11 भृगु नंदी नाड़ी: शनि-केंद्रित कर्म संकेत	25
शनि के दूसरे ग्रहों से संबंध, काम के लिए पढ़े गए	
12 करियर योग	27
करियर को ऊपर उठाने वाले योग, और वे कब सक्रिय होते हैं	
13 बल-तालिका: षड्बल एवं अष्टकवर्ग	30
किन ग्रहों और भावों में सबसे अधिक बल है	
निर्णय	
14 आपके अनुकूल काम के प्रकार	32
काम के वे परिवार जिनकी ओर आपकी कुंडली झुकती है	
15 नौकरी, व्यापार, सरकारी सेवा या विदेश	34
चार मार्ग, हर एक अपने नियमों पर तौला गया	
16 शिक्षा, कौशल एवं प्रतियोगी परीक्षा	37
प्रतियोगिता-क्षमता, अध्ययन की दिशा और परीक्षा के काल	
17 कार्यशैली एवं नेतृत्व	39
आपकी प्रमुख कार्यशैलियाँ और उनके अनुकूल परिवेश	
18 वरिष्ठ, सहकर्मी एवं अधीनस्थ	41
हर कार्य-संबंध किस ढंग से चलता है	

19	आय एवं प्रगति पथ	43
	महादशाओं के अनुसार आय के स्तर	

समय-निर्धारण एवं जोखिम

20	दस वर्ष का करियर दशा-मानचित्र	44
	अगले दस वर्षों की हर अंतर्दशा, काम के लिए अंकित	
21	गोचर, साढ़ेसाती एवं कर्म-वर्ष	46
	शनि, गुरु, साढ़ेसाती और नाड़ी के कर्म-वर्ष	
22	निर्णय-काल सारणी	48
	महीने-दर-महीने: कब कदम उठाएँ, कब तैयारी करें, कब रुकें	
23	करियर दोष-जाँच	51
	कठिन योग और दोष, काम पर उनके भार के साथ	
24	सावधानी-अवधियाँ एवं ठहराव	53
	सावधानी के काल, और उनसे निकलने का ढंग	

उपाय एवं कार्य-योजना

25	लक्ष्य-आधारित उपाय	54
	सहारे की ज़रूरत वाले ग्रहों के लिए आचरण, मंत्र और दान	
26	90 दिन और 12 महीने की कार्य-योजना	57
	अगले 90 दिनों और अगले 12 महीनों में क्या करें	
27	आपके प्रश्न, आपकी कुंडली से	58
	करियर के आम प्रश्न, आपकी कुंडली से उत्तर	

परिशिष्ट

क	गणना पद्धति	61
	परिपाटियाँ, भार और जन्म-समय का निर्वाह	
ख	शब्दावली	63
	इस रिपोर्ट में प्रयुक्त शब्द	
ग	आपकी कुंडली के आँकड़े	64
	आपके ग्रह, राशियाँ, नक्षत्र और बल	

यह रिपोर्ट कैसे पढ़ें

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।

मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ॥

श्रीमद्भगवद्गीता 2.47

आपका अधिकार केवल कर्म पर है, उसके फलों पर नहीं। फल की इच्छा को कर्म का कारण न बनाएँ, और कर्म छोड़ देने से भी मोह न रखें।

यह रिपोर्ट क्या करती है, और क्या नहीं

यह रिपोर्ट आपकी जन्म-कुंडली को काम की दृष्टि से पढ़ती है: वह किस प्रकार के काम की ओर झुकती है, कौन-से मार्ग उसके अनुकूल हैं, और हर निर्णय के लिए कौन-से महीने ठीक हैं। हर पाठ उन कुंडली-तथ्यों का नाम देता है जिन पर वह टिका है, ताकि उसे केवल माना न जाए, जाँचा भी जाए। यह प्रवृत्तियों की बात करती है, निश्चितता की नहीं: यह नौकरी, चयन, वीज़ा या लाभ का वचन नहीं देती, और करियर परामर्श का स्थान नहीं लेती। निर्णय, और उनके पीछे का परिश्रम, आपके अपने हैं।

हर अध्याय की बनावट

- संक्षिप्त उत्तर: हर अध्याय के ऊपर घेरे में दिया निष्कर्ष, और साथ में एक वाक्य कि वह कैसे निकाला गया।
- पाठ: हर निष्कर्ष आपके काम के लिए क्या अर्थ रखता है, एक-एक विषय करके।
- आधार: हर पाठ के नीचे वे कुंडली-तथ्य, ताकि हर बात आपकी कुंडली से जाँची जा सके।
- आधुनिक व्याख्या और पंचांगबोध की पद्धति: ये चिह्न बताते हैं कि शास्त्रीय नियम कहाँ समाप्त होता है और हमारी व्याख्या या भार कहाँ से शुरू होता है।
- समापन: अध्याय से लेने योग्य एक व्यावहारिक कदम।

पूरी रिपोर्ट के चिह्न



निर्णय के महीने (अध्याय 22): हरा कदम उठाने के लिए, पीला तैयारी के लिए, लाल रुकने के लिए।



100 में से अंक तीन श्रेणियों में पढ़े जाते हैं: 35 से नीचे निम्न, 35 से 59 मध्यम, 60 और ऊपर उच्च। अंक केवल इसी कुंडली का वर्णन करता है; इसकी तुलना किसी और की कुंडली से नहीं की जाती।

3 पद्धतियाँ सहमत

3 पद्धतियाँ सहमत: पाँच पद्धतियों (जन्मकुंडली, दशमांश, जैमिनी, अष्टकवर्ग और भृगु नंदी नाड़ी) में से कितनी किसी अंक का समर्थन करती हैं। जितनी अधिक सहमत हों, अंक उतना ही पक्का।



पद्धति-तालिका में भरा बिंदु: उस पद्धति का कोई नियम पूरा है; खाली बिंदु: उसके नियम पढ़े गए पर कोई पूरा नहीं; रेखा: उस मार्ग के लिए उस पद्धति का कोई नियम नहीं।



हर कुंडली-चित्र में ▼ प्रथम भाव दिखाता है। रंगा हुआ भाव वह है जिसे पृष्ठ पढ़ रहा है, और धारीदार भाव में उस भाव का स्वामी बैठा है।

आज

समय-रेखाओं पर आज की रेखा रिपोर्ट की तिथि है; आने वाले वर्ष उसकी दाईं ओर चलते हैं।

आपके जन्म-विवरण

नाम	अनीता शर्मा
जन्म	12 मार्च 1990 · 06:40
स्थान	जयपुर, राजस्थान, भारत · 26.91° उत्तर, 75.79° पूर्व
समय-क्षेत्र	ग्रीनविच से +5:30
जन्म-समय	अस्पताल में दर्ज समय
लग्न	कुंभ
चंद्र	कन्या · उत्तरा फाल्गुनी
अयनांश	लाहिरी (चित्रपक्ष), 23° 43' 12"
रिपोर्ट की तिथि	23 अक्टूबर 2026

इस रिपोर्ट का हर पाठ इन्हीं विवरणों से गिना गया है। रिपोर्ट 23 अक्टूबर 2026 से पढ़ी गई है: चल रही दशा, निर्णय-काल और पहले 24 महीने उसी दिन से गिने जाते हैं।

बीस मिनट हों तो

बीस मिनट हों, तो पहले ये पाँच अध्याय पढ़ें; बाकी रिपोर्ट दिखाती है कि हर निष्कर्ष तक कैसे पहुँचा गया।

1	करियर का सार.....	7
14	आपके अनुकूल काम के प्रकार.....	32
15	नौकरी, व्यापार, सरकारी सेवा या विदेश.....	34
22	निर्णय-काल सारणी.....	48
26	90 दिन और 12 महीने की कार्य-योजना.....	57

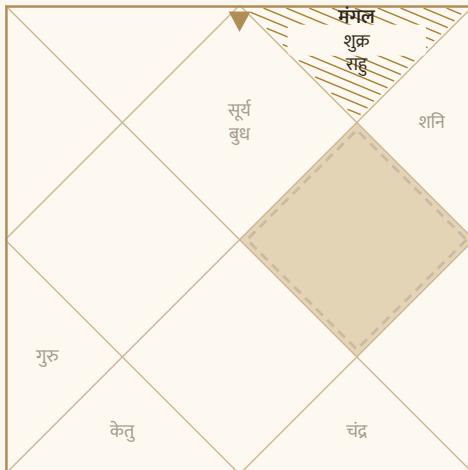
अध्याय 2 • जन्मकुंडली की नींव

तीन दृष्टियों से दशम भाव

संक्षिप्त उत्तर

आपकी कुंडली में कर्म पहले चंद्र से पढ़ा जाता है, जो इसके तीनों संदर्भ-ग्रहों में सबसे बली है।

बृहज्जातक कर्म को तीन आरंभ-बिंदुओं से पढ़ता है: लग्न से, चंद्र से और सूर्य से गिना गया दशम भाव। हर एक उसी कार्य-जीवन की एक दृष्टि है। जिस दृष्टि का संदर्भ-ग्रह सबसे बली हो, वही पाठ का नेतृत्व करती है; बाकी दो रंग और पुष्टि जोड़ती हैं।



लग्न से • ▼ प्रथम भाव दिखाता है

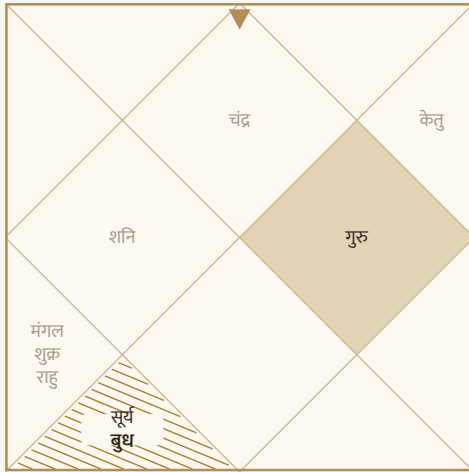
दशम भाव • लग्न से दशम • वृश्चिक • इसमें कोई ग्रह नहीं • स्वामी मंगल —
द्वादश भाव में

लग्न से

लग्न से गिनने पर दशम भाव वृश्चिक में पड़ता है और उसमें कोई ग्रह नहीं, इसलिए इस दृष्टि का भार इसके स्वामी मंगल पर है: वह ग्रह कहाँ बैठा है और कितना बली है, यही तय करता है कि यह दृष्टि क्या दिखाती है।

आधार

- दशम भाव (10) में वृश्चिक राशि
- दशम भाव (10) में कोई ग्रह नहीं
- दशमेश मंगल



चंद्र से - ▼ प्रथम भाव दिखाता है

दशम भाव - चंद्र से दशम - मिथुन - स्वामी बुध — षष्ठ भाव में

चंद्र से

प्रमुख दृष्टि

चंद्र से दशम मिथुन है, उसमें स्थित ग्रह: गुरु, और उसका स्वामी बुध है। यहाँ काम स्वभाव और जन-व्यवहार की नज़र से दिखता है।

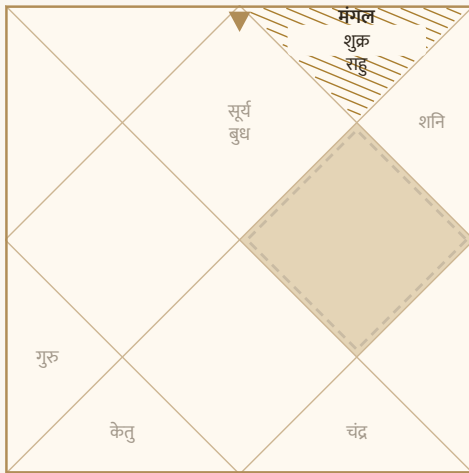
चंद्र से गिनने पर बुध षष्ठ भाव (6) में पड़ता है, इसलिए यह दृष्टि काम को इस दिशा में देखती है: सेवा, प्रतिस्पर्धा, स्वास्थ्य, विधि और रोज़ की समस्याओं का हल।

चंद्र बल में लग्नेश और सूर्य से भारी है, इसलिए चंद्र से गिने गए भाव ही इस रिपोर्ट में पहले पढ़े जाते हैं।

चंद्र मन और जनता है, इसलिए यह दृष्टि ऐसे काम के अनुकूल है जो लोगों से जोड़े और जिसमें मन टिक सके, न कि केवल प्रतिष्ठा के लिए चुना गया काम।

आधार

- चंद्र से दशम राशि: मिथुन
- चंद्र से दशम में ग्रह: गुरु
- चंद्र से दशमेश: बुध
- प्रमुख दृष्टि: चंद्र से



सूर्य से - ▼ प्रथम भाव दिखाता है

दशम भाव - सूर्य से दशम - वृश्चिक - इसमें कोई ग्रह नहीं - स्वामी मंगल — द्वादश भाव में

सूर्य से

सूर्य से दशम वृश्चिक है और इसमें कोई ग्रह नहीं; इसका स्वामी मंगल आपके काम में प्रतिष्ठा और पद पर सूर्य की दृष्टि को वहन करता है।

सूर्य से गिनने पर मंगल द्वादश भाव (12) में पड़ता है, इसलिए यह दृष्टि काम को इस दिशा में देखती है: विदेश, पर्दे के पीछे काम करने वाली संस्थाएँ, अस्पताल, आश्रम और व्यय।

आधार

- सूर्य से दशम राशि: वृश्चिक
- सूर्य से दशम में ग्रह: कोई नहीं
- सूर्य से दशमेश: मंगल

एक से अधिक दृष्टि में दिखने वाले ग्रह

कोई भी ग्रह एक से अधिक दृष्टि में दशम तक नहीं पहुँचता, इसलिए हर दृष्टि अपने आप में खड़ी है; पाठ का अधिक भार प्रमुख दृष्टि पर है।

आधार

- दो या अधिक दृष्टियों में दशम से जुड़े ग्रह: कोई नहीं

दिशा चुनने के लिए अग्रणी दृष्टि का उपयोग करें और उसे जाँचने के लिए बाकी दो का। दृष्टियों की सहमति काम के बारे में जन्म-कुंडली का सबसे सबल संकेत है।



अध्याय 14 • निर्णय

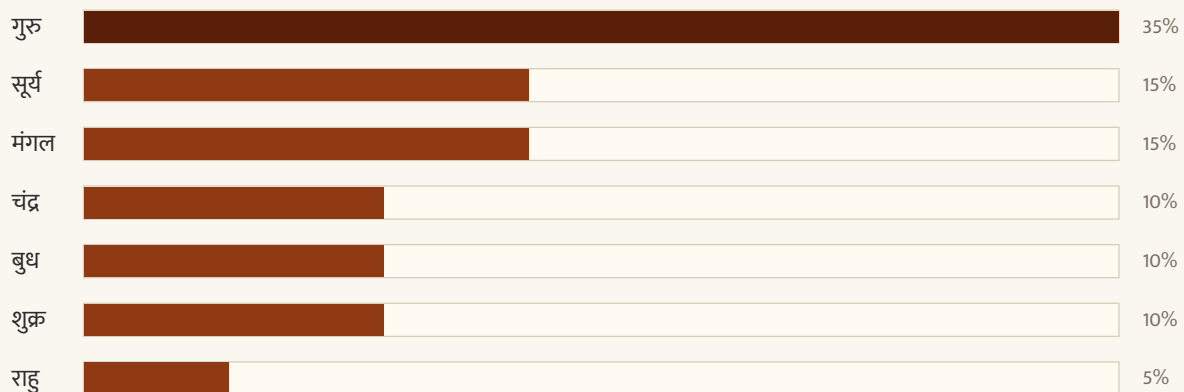
आपके अनुकूल काम के प्रकार

कौन-सा क्षेत्र मेरे लिए सही है?

संक्षिप्त उत्तर

इस कुंडली के लिए गुरु-प्रधान काम सबसे अनुकूल है: शिक्षण, विधि, वित्त और मार्गदर्शन।

इस रिपोर्ट की हर पद्धति काम के प्रकारों के लिए मत देती है: आजीविका ग्रह, दशम के ग्रह, दशमेश, अमात्यकारक, दशमांश, कारकांश और नाड़ी के संबंध। अधिकतर मत किसी ग्रह से आते हैं, और हर ग्रह मिलते-जुलते कामों के एक परिवार का प्रतिनिधि है। पट्टियाँ दिखाती हैं कि कुंडली के करियर-मतों का कितना भाग किस ग्रह के पास है।



काम के प्रकारों के लिए ग्रहों के दिए 20 मत-भार में हर ग्रह का भाग; सबसे लंबी पट्टी अग्रणी ग्रह की है, और गहरी पट्टियाँ नीचे बताए गए परिवारों की हैं।

गुरु-प्रधान काम

करियर-मतों के 35% के साथ गुरु-प्रधान काम (शिक्षण, विधि, वित्त और मार्गदर्शन) इस कुंडली में एक वास्तविक खिंचाव है। नीचे के कार्यक्षेत्रों को एक परिवार मानें: उनका स्वभाव मिलता-जुलता है, इसलिए सही वही है जो आपकी रुचि और प्रशिक्षण से भी मेल खाए।

इस प्रकार के काम

- शिक्षक एवं प्राध्यापक
- सरकारी शिक्षण
- बैंकिंग
- आध्यात्मिक एवं धार्मिक कार्य
- न्यायपालिका

इसके पीछे के मत

- कर्माजीव ग्रह: गुरु, भार 3
- प्रमुख लग्न से दशम में ग्रह: गुरु, भार 3
- नाड़ी में शनि का राशि-स्वामी: गुरु, भार 1

आधार

- गुरु-प्रधान काम: करियर-मतों का 35%, 3 मतों से

ये प्रवृत्तियाँ हैं, किसी एक नौकरी पर निर्णय नहीं। कोई ग्रह कामों के ऐसे परिवार की ओर संकेत करता है जो कई कार्यक्षेत्रों में साझा होता है, इसलिए यह अध्याय एक-एक कार्यक्षेत्र का क्रम देने के बजाय परिवार बताता है; देवता और तत्व के मत पाठ को रंग देते हैं, पर किसी ग्रह के नहीं होते।

कोई पक्का निर्णय लेने से पहले इस परिवार को वास्तविक काम से परखें: इंटर्नशिप, कोई परियोजना या इसके किसी कार्यक्षेत्र में काम करने वाले व्यक्ति से बातचीत किसी भी सूची से अधिक बताएगी।



अध्याय 22 • समय-निर्धारण एवं जोखिम

निर्णय-काल सारणी

प्रमोशन कब होगा?

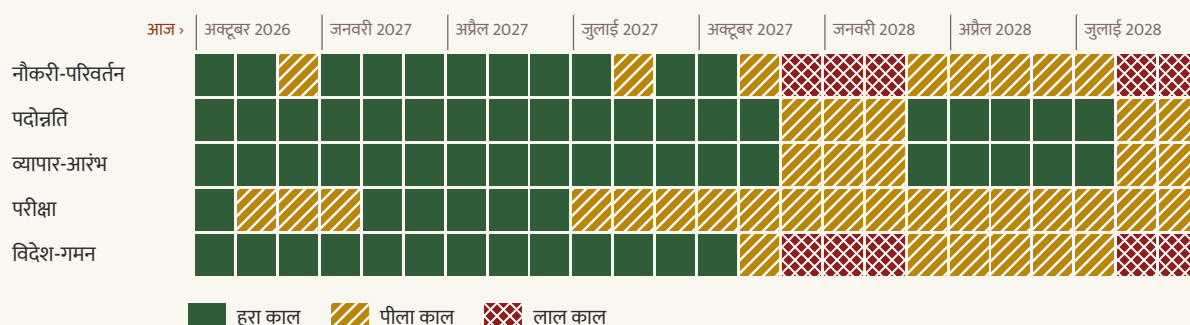
नौकरी बदलूँ? कब?

प्रतियोगी परीक्षा कब दूँ?

संक्षिप्त उत्तर

आगे का पहला हरा काल नौकरी-परिवर्तन के लिए है, अक्टूबर – नवंबर 2026।

नीचे हर पंक्ति एक निर्णय है और हर खाना एक महीना। हरा अर्थात चल रही दशा और धीमे ग्रह दोनों उस निर्णय का साथ देते हैं; पीला अर्थात इनमें से एक साथ देता है; लाल अर्थात कोई साथ नहीं देता, या कोई सावधानी सक्रिय है। हरे में कदम उठाएँ, पीले में तैयारी करें, लाल में रुकें।



आगे के 24 महीने, हर खाने में एक महीना।

नौकरी-परिवर्तन

नौकरी-परिवर्तन का अगला हरा काल अक्टूबर – नवंबर 2026 है। उससे पहले के महीनों में अपना कार्य-विवरण अद्यतन करें, नियुक्ति करने वालों से बात करें, और काल खुलने तक प्रस्ताव हाथ में रखें।

आधार

- नौकरी-परिवर्तन: अक्टूबर 2026 – नवंबर 2026, हरा काल
- राहु-मंगल अंतर्दशा (सितंबर 2026 – अक्टूबर 2027): अंक +5.5, प्रबल
- गुरु का गोचर कर्क राशि में, 2 जून 2026 से 31 अक्टूबर 2026 तक; भिन्नाष्टकवर्ग 5 बिंदु
- गुरु का गोचर सिंह राशि में, 31 अक्टूबर 2026 से 25 जनवरी 2027 तक; भिन्नाष्टकवर्ग 4 बिंदु

पदोन्नति

पदोन्नति के लिए हरा काल अक्टूबर 2026 – नवंबर 2027 में है। उन्नति की बात रखने का यही समय है, जब किया गया काम पहले से दर्ज हो।

आधार

- पदोन्नति: अक्टूबर 2026 – नवंबर 2027, हरा काल
- राहु-मंगल अंतर्दशा (सितंबर 2026 – अक्टूबर 2027): अंक +5.5, प्रबल
- गुरु का गोचर कर्क राशि में, 2 जून 2026 से 31 अक्टूबर 2026 तक; भिन्नाष्टकवर्ग 5 बिंदु
- गुरु का गोचर सिंह राशि में, 31 अक्टूबर 2026 से 25 जनवरी 2027 तक; भिन्नाष्टकवर्ग 4 बिंदु

व्यापार-आरंभ

व्यापार-आरंभ का अगला हरा काल अक्टूबर 2026 – नवंबर 2027 है। नींव, पूँजी और साझेदार पहले से तैयार रखें, और आरंभ इसी काल के भीतर करें।

आधार

- व्यापार-आरंभ: अक्टूबर 2026 – नवंबर 2027, हरा काल
- राहु-मंगल अंतर्दशा (सितंबर 2026 – अक्टूबर 2027): अंक +5.5, प्रबल
- गुरु का गोचर कर्क राशि में, 2 जून 2026 से 31 अक्टूबर 2026 तक; भिन्नाष्टकवर्ग 5 बिंदु
- गुरु का गोचर सिंह राशि में, 31 अक्टूबर 2026 से 25 जनवरी 2027 तक; भिन्नाष्टकवर्ग 4 बिंदु

परीक्षा

परीक्षा का अगला हरा काल अक्टूबर 2026 है। तैयारी ऐसी योजना से करें कि सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाएँ इसी काल में पड़ें।

आधार

- परीक्षा: अक्टूबर 2026, हरा काल
- राहु-मंगल अंतर्दशा (सितंबर 2026 – अक्टूबर 2027): अंक +5.5, प्रबल
- गुरु का गोचर कर्क राशि में, 2 जून 2026 से 31 अक्टूबर 2026 तक; भिन्नाष्टकवर्ग 5 बिंदु

विदेश-गमन

विदेश-गमन के लिए हरा काल अक्टूबर 2026 – अक्टूबर 2027 में है। वीज़ा और नौकरी के कदम पहले से शुरू करें, ताकि स्थानांतरण इसी काल में हो।

आधार

- विदेश-गमन: अक्टूबर 2026 – अक्टूबर 2027, हरा काल
- राहु-मंगल अंतर्दशा (सितंबर 2026 – अक्टूबर 2027): अंक +5.5, प्रबल
- गुरु का गोचर कर्क राशि में, 2 जून 2026 से 31 अक्टूबर 2026 तक; भिन्नाष्टकवर्ग 5 बिंदु
- गुरु का गोचर सिंह राशि में, 31 अक्टूबर 2026 से 25 जनवरी 2027 तक; भिन्नाष्टकवर्ग 4 बिंदु

दस वर्षों के हरे काल

नौकरी-परिवर्तन	अक्टूबर – नवंबर 2026; जनवरी – जुलाई 2027; सितंबर – अक्टूबर 2027; अक्टूबर 2035 – सितंबर 2036
पदोन्नति	अक्टूबर 2026 – नवंबर 2027; मार्च – जुलाई 2028; अक्टूबर 2035 – सितंबर 2036
व्यापार-आरंभ	अक्टूबर 2026 – नवंबर 2027; मार्च – जुलाई 2028; जुलाई – सितंबर 2029; अक्टूबर 2035 – सितंबर 2036
परीक्षा	अक्टूबर 2026; फरवरी – जून 2027; जनवरी – मार्च 2029; जुलाई – दिसंबर 2029; अक्टूबर 2035 – सितंबर 2036
विदेश-गमन	अक्टूबर 2026 – अक्टूबर 2027

सावधानी के काल

ये वे काल हैं जिनमें कोई सावधानी लागू है। ये हर बात के लिए बुरे समय नहीं; ये करियर के ऐसे कदमों से बचने के समय हैं जिन्हें लौटाया न जा सके, और जो पास है उसे सँभालने के। अध्याय 24 हर एक को विस्तार से बताता है।

आधार

- सावधानी: अष्टमेश या द्वादशेश की अंतर्दशा, दशम पीड़ित, जनवरी 2030 – सितंबर 2034 (तीव्रता 2)

इसका उपयोग कैसे करें

हर निर्णय को उसके अगले हरे काल के आसपास रखें, और उससे पहले के पीले महीनों में तैयारी करें। किसी एक वर्ष को निकट से देखने के लिए वर्षफल रिपोर्ट महीने-दर-महीने चलती है।

ये काल कैसे बनते हैं: कोई महीना हरा तब होता है जब चल रही अंतर्दशा उस निर्णय का साथ देती है, पर्याप्त बिंदुओं वाला गुरु या शनि आवश्यक भावों को छूता है और कोई सावधानी सक्रिय नहीं होती; पीला तब, जब इन दोनों में से एक ही बात बनती है; लाल तब, जब दोनों नहीं बनती या कोई गंभीर सावधानी सक्रिय होती है। पहले 24 महीने महीने-दर-महीने पढ़े गए हैं, उसके बाद के वर्ष तिमाही-दर-तिमाही। तिमाही वही रंग लेती है जो उसके अधिकांश महीनों का हो, इसलिए उन वर्षों में कोई काल या सावधानी अपनी कारक-तिथि से एक-दो महीने पहले या बाद खुल या बंद हो सकती है।

